भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 1734
गुरूवार, 3 अगस्त, 2023/12 श्रावण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

संधारणीय पर्यटन को बढ़ावा देना

1734 श्री बी. पार्थसारधी रेड्डी:
क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास अति पर्यटन के कारण पारिस्थितिकी, पर्यावरण और पर्यटन स्थलों को हो रही क्षति के संबंध में कोई आंकड़े हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) संधारणीय और जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(घ) संधारणीय पर्यटन के लिए यदि कोई बजट आवंटित किया गया है तो वह कितना है; और

(ङ) क्या उन कार्यों के संबंध में कोई नीति है जो संधारणीय पर्यटन पर केन्द्रित होंगे?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ड.): पर्यटन का संवर्धन और विकास मुख्य रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है । स्थायी एवं जिम्मेदार पर्यटन हेतु भारत को एक पसंदीदा वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी पर्यटन संबंधी राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है । इस कार्यनीतिक दस्तावेज़ में स्थायी पर्यटन के विकास हेतु निम्नलिखित कार्यनीतिक स्तंभ चिह्नित किए गए हैं:-

(i) पर्यावरणीय स्थिरता का संवर्धन
(ii) जैवविविधता का संरक्षण
(iii) आर्थिक स्थिरता का संवर्धन
(iv) सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता का संवर्धन
(v) स्थायी पर्यटन प्रमाणन संबंधी योजना
(vi) सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) तथा क्षमता निर्माण
(vii) शासन

सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में स्थायी पर्यटन संबंधी राष्ट्रीय बोर्ड का गठन किया गया है जिसमें चिह्नित केंद्रीय मंत्रालयों/संगठनों, राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों और औद्योगिक हितधारकों के प्रतिनिधि शामिल हैं । यह बोर्ड देश में स्थायी पर्यटन के विकास के लिए विभिन्न कार्यनीतिक पहलों के प्रचालन तथा कार्यान्वयन का मार्गदर्शन करेगा ।

देश में, स्थायी एवं जिम्मेदार पर्यटक गंतव्यों और स्थायी पर्यटन के संवर्धन के लिए पर्यटन मंत्रालय ने भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम), संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण संस्थान (यूएनईपी) और भारतीय जिम्मेदार पर्यटन सोसायटी (आरटीएसओआई) के सहयोग से देश के विभिन्न हिस्सों के राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को कवर करते हुए क्षेत्रीय कार्यशालाओं का आयोजन किया है ।

पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी पर्यटन संबंधी राष्ट्रीय कार्यनीति के अनुसार ट्रैवल फॉर LiFE पहल की शुरुआत की है। ट्रैवल फॉर LiFE का लक्ष्य पर्यटन संसाधनों की खपत हेतु पर्यटकों तथा पर्यटन व्यवसायों के लिए उठाए गए सुविचारित और सुनियोजित कदमों के माध्यम से देश में स्थायी पर्यटन का संवर्धन करना है ।

उपरोक्त के अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक एवं गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी तथा जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है ।

*****